



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 99]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 16, 2006/फाल्गुन 25, 1927

No. 99]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 16, 2006/PHALGUNA 25, 1927

कम्पनी कार्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 मार्च, 2006

सा.का.नि. 157(अ).—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 610 "क" की उप-धारा 2 के साथ पठित धारा 25 की उप-धारा (5) और उप-धारा (8) और धारा 609 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कम्पनी नियम, 1956 में और संशोधन करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कम्पनी (संशोधन) नियम, 2006 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
2. कम्पनी नियम, 1956 में, भाग ड. के पश्चात्, निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात्

'भाग च'

इलेक्ट्रॉनिक रीति में आवेदन, दस्तावेज, अनुज्ञप्ति आदि

'27. इन विनियमों के अधीन किसी व्यक्ति द्वारा यथास्थिति किए जाने, या फाइल किए जाने, या प्रस्तुत किए जाने या भेजे जाने अथवा दिए जाने के लिए अपेक्षित, कोई आवेदन या दस्तावेज या सूचना या घोषणा या विवरण, इलेक्ट्रॉनिक रीति में भी दिया जा सकेगा या फाइल किया जा सकेगा या प्रस्तुत किया जा सकेगा या भेजा या दिया जा सकेगा :

परन्तु यह कि, इस नियम के उपबंध, इन नियमों के भाग ग के विनियम 10 और विनियम 11 के उपबंधों को लागू नहीं होंगे।

28. प्रादेशिक निदेशक या कम्पनियों के रजिस्ट्रार द्वारा यथास्थिति दिए जाने या प्रदान किए जाने या किए जाने या हस्ताक्षरित किए जाने या अभिस्वीकृत किए जाने के लिए अपेक्षित कोई प्रमाण-पत्र, अनुज्ञप्ति प्राप्ति या पृष्ठांकन इलेक्ट्रॉनिक रीति में भी दिए या प्रदान किए कोई या हस्ताक्षरित या अभिस्वीकृत किए जा सकेंगे।

29. इन नियमों के अधीन कम्पनी रजिस्ट्रार द्वारा या उसके पास रजिस्ट्रीकृत किए जाने, या अभिलिखित किए जाने या फाइल किए जाने के लिए अपेक्षित या प्राधिकृत कोई दस्तावेज, उसके द्वारा इलेक्ट्रॉनिक रीति में रजिस्ट्रीकृत, अभिलिखित या फाइल किए जा सकेंगे। परन्तु यह तब जबकि इन नियमों के भाग ड. के विनियम 18 की अपेक्षा का पालन किया जाय।

30. इन नियमों के अनुसरण में कम्पनी के रजिस्ट्रार द्वारा अनुरक्षित किए जाने वाला रजिस्टर या अनुक्रमणिका इलेक्ट्रॉनिक रीति में भी अनुरक्षित किया जा सकेगा।

31. कम्पनी रजिस्ट्रार के पास रजिस्ट्रीकृत, अभिलिखित या फाइल किए गए दस्तावेजों का निरीक्षण भी, ऐसी फीस के संदाय के माध्यम से जो विहित किए जाए, इलेक्ट्रॉनिक रीति में किया जा सकेगा।

[फा. सं. 5/18/2005-सीएल-V]

जीतेश खोसला, संयुक्त सचिव

टिप्पण :— मुख्य नियमों के का.नि.आ. से 432 ख तारीख 18 फरवरी 1956 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए -

1.	सा.का.नि. सं 188	-	तारीख 09 जनवरी 1958
2.	सा.का.नि. सं 399	-	तारीख 24 मार्च 1962
3.	सा.का.नि. सं 1850	-	तारीख 01 दिसम्बर 1966
4.	सा.का.नि. सं 1445	-	तारीख 16 सितम्बर 1967
5.	सा.का.नि. सं 668	-	तारीख 10 जून 1973
6.	सा.का.नि. सं 523	-	तारीख 11 जुलाई 1989
7.	का.आ. सं 367 (ई)	-	तारीख 31 मई 1991
8.	सा.का.नि. सं 924(ई)	-	तारीख 14 दिसम्बर 1992
9.	सा.का.नि. सं 620(ई)	-	तारीख 23 सितम्बर 2005

MINISTRY OF COMPANY AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th March, 2006

G.S.R. 157(E).— In exercise of the powers conferred by sub-sections (5) and (8) of section 25 and sub-section (2) of section 609 read with sub-section (2) of section 610A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Companies Regulations, 1956, namely:-

1. (1) These regulations may be called the Companies (Amendment) Regulations, 2006.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Companies Regulations, 1956, after Part E, the following shall be added, namely:-

"PART F

Application, documents, licence, etc in the electronic manner.

"27. Any application or document or notice or declaration or statement required to be made or filed or furnished or sent or given, as the case may be, by any person under these regulations may also be made or filed or furnished or sent or given, as the case may be, in the electronic manner:

Provided that the provisions of this regulation shall not be applicable to the provisions of regulations 10 and 11 of Part C of these regulations.

28. Any certificate, licence, receipt or endorsement required to be given or granted or made or signed or acknowledged, as the case may be, by Regional Director or Registrar of Companies, may also be given or granted or made or signed or acknowledged, as the case may be, in the electronic manner.

29. Any document required or authorised to be registered, recorded or filed by or with the Registrar of Companies under these regulations may be registered, recorded or filed by him in the electronic manner, subject to the compliance of the requirement of regulation 18 of Part E of these regulations.

30. *The register or index required to be maintained by the Registrar of Companies pursuant to these regulations may also be maintained in electronic manner.*

31. *The inspection of documents registered, recorded or filed with Registrar of Companies may also be made in electronic manner through payment of fee in a manner as may be prescribed."*

[F. No. 5/18/2005-CL-V]

JITESH KHOSLA, Jt. Secy.

Note :— The Principal regulations were published in the Gazette of India vide number S.R.O. No. 432B dated 18th February 1956 and subsequently amended by :-

- | | | |
|----|-----------------|---------------------------------------|
| 1. | GSR No. 188 | dated 09 th January 1958 |
| 2. | GSR No. 399 | dated 24 th March 1962 |
| 3. | GSR No. 1850 | dated 01 st December 1966 |
| 4. | GSR No. 1445 | dated 16 th September 1967 |
| 5. | GSR No. 668 | dated 10 th June 1973 |
| 6. | GSR No. 523 | dated 11 th July 1989 |
| 7. | S.O. No. 367(E) | dated 31 st May 1991 |
| 8. | GSR No. 924 (E) | dated 14 th December 1992 |
| 9. | GSR No. 610 (E) | dated 23 rd September 2005 |